नमूना प्रश्न-पत्र का प्रारूप

विषय : पेंटिंग **स्तर: माध्यमिक**

थ्योरी : 30 **प्रयोगात्मक : 70**

उद्देश्य	अंक	कुल अंकों का प्रतिशत
ज्ञानात्मक	10	35%
बोधात्मक	15	50%
प्रयोग	5	15%
कुल	30	100%

भारिता प्रकार

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रत्येक प्रश्न के अंक	परीक्षार्थी द्वारा लिया गया अनुमानित समय
दीर्घउत्तरीय प्रश्न	3	(3x3) = 9	9 मिनट प्रति एक 9x3 = 27 मिनट
लघुउत्तरीय प्रश्न	7	(2x7) = 14	6 मिनट प्रति एक 6x7 = 42 मिनट
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	7	(1x7) = 7	3 मिनट प्रति एक 3x7 = 21 मिनट
कुल	17	30	90 मिनट

विषयानुसार भारिता

मॉड्यूल	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
1. भारतीय कला की भूमिका			
• पाठ – 1	2	2	2×2=4
• पाठ – 2	1	1	1×1=1
• पाठ – 3	1	3	1×3=3
• पाठ – 4	3	1	3×1=3
2. पश्चिमी कला की भूमिका			
• पाठ – 5	1	3	1×3=3
• पाठ – 6	3	2	3×2=6
• पाठ – 7	3	1	3×1=3
3. समकालीन भारतीय कला की भूमिका			
• पाठ – 8	1	3	1×3=3
• पाठ – 9	2	2	2×2=4
			कुल: 30

प्रश्न-पत्र की कठिनता का स्तर

स्तर संख्या	दिए गए अंकों का प्रतिशत
• कठिन (प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के द्वारा साध्य किए जा सकते हैं।)	20%
• सामान्य (उन विद्यार्थियों के द्वारा साध्य किए जा सकते हैं जिन्होंने नियमित रूप से विषय-सामग्री का अध्ययन किया हो, लेकिन लिखने के अभ्यास में अधिक समय न दिया हो।)	50%
• आसान (उन विद्यार्थियों द्वारा संतोषप्रद तरीके से साध्य किए जा सकते है जिन्होंने अध्ययन-सामग्री को पढ़ा हो।)	30%
	100%

नमूना प्रश्न पत्र

समयः 1½ **अंकः30**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें

- एक अंक के प्रश्न का उत्तर लगभग 10 शब्दों में दें।
- दो अंक के प्रश्न का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।
- तीन अंक के प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दें।

1. **''नृत्य करती हुई लड़की''** धातु की मूर्ति का वर्णन करें और बताएं कि इसे किस स्थान पर पाया गया। 2

2. अजंता की एक पेंटिंग का चयन करें और उसकी शैली और तकनीक पर एक प्रशंसापूर्ण टिप्पणी करें। 2

3. निम्नलिखित में किसी एक पर एक संक्षिप्त नोट लिखें: 1

   (क) **''अर्जुन का चिंतन''**

   (ख) **''कोणार्क''**

   (ग) **''गोवर्धन पर्वत को उठाते हुए कृष्ण''**

4. राजपूत पेंटिग का विकास कैसे हुआ? इसके विकास में **'गुलेर स्कूल'** का क्या योगदान है। 3

5. **'कोलम'** क्या है? इसमें किस प्रकार के प्रतीकों का प्रयोग किया जाता है? 1

6. **'फुलकारी'** का अर्थ क्या है? फुलकारी डिजाइन पर कुछ पंक्तियाँ लिखें। 1

7. **'कंथा'** कला के मोटिफ और डिजाइन के बारे में बताएं। 1

8. पेंटिग शैली के नए स्वरूपों की बनावट में पुनर्जागरण की भूमिका का आकलन करें। कैसे इसने बोतिचेल्ली और **लियोनार्डो दा विंसी** जैसे कलाकारों को प्रभावित किया। 3

   या

   क्या आप माइकिल एंजलो को पुनर्जागरण काल का महानतम कलाकार मानते हैं? अपने उत्तर को सिद्ध करें।

9. प्रभाववाद पेंटिंग की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करें। 2

10. अपने पेंटिंग की विषय-वस्तुओं का चयन करते समय **रिनोइर** की प्राथमिकताएं क्या थीं? उदाहरण के साथ बताएं। 2

11. **पॉल सेजां** की पेंटिंग **''स्टिल लाइफ विद ओनियन्स''** की दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करें। 2

12. **'घनवाद'** क्या है? इस शैली को प्रारंभ करने वाले कलाकार कौन-से हैं? 1

13. **सलवोदर डाली** इतना प्रसिद्ध क्यों है? उसके किसी एक प्रसिद्ध पेंटिंग का नाम बताइए। 1

14. निम्नलिखित में किसी एक पर नोट लिखें- 1

    (क) **कांदिंस्की**

    (ख) **मैन विद वायलन**

    (ग) **अमूर्तकला**

15. निम्न प्रश्नों में किसी एक का उत्तर दीजिए- 3

    (क) भारत में ब्रिटिश राज के प्रारंभ में किस प्रकार की कला का विकास हुआ, उसके बारे में संक्षिप्त में बताएं।

    (ख) **गगनेद्रंनाथ टैगोर** पर एक प्रशंसापूर्ण नोट लिखें।

16. ग्राफिक्स या चित्र मुद्रण क्या है? चित्र मुद्रण की कुछ तकनीकियों के नाम बताएं। 2

17. ''न तो युवाकाल में कमजोर दृष्टि और न जीवन के अंतिम चरण में उसका अंधापन उसकी सर्जनात्मक इच्छा शक्ति को रोक सका''। यह कलाकार कौन है? उसके किसी एक पेंटिंग का वर्णन करें। 2

अंक योजना
विषय : पेंटिंग

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	अंक विभाजन	कुल अंक
1.	यह सुंदर नारी की धातु की मूर्ति सिंधु घाटी में मिली। इसकी विलक्षण भंगिमा दर्शनीय है।	½	2
	मूर्ति में मूर्तिकार ने दाहिने हाथ को कमर के ऊपर और बाएं हाथ को बाईं जांघ पर रख कर सही धातु निक्षेपण करके दिखाया है। मूर्ति में शिल्पकारी और कलात्मक कौशल का सफल सम्मिश्रण किया गया है।	1½	
2.	गुप्त काल की ''अश्वेत राजकुमारी'' (Black Princess) को औरंगाबाद के निकट किसी एक अजंता गुफा में पाया गया।	½	2
	टेंपरा तकनीक से बनी इस लयपूर्ण पेंटिंग में प्रवाहपूर्ण रेखांकन और शरीर की रूपरेखाओं की लयात्मकता को दिखाया गया है।	1½	
3.	(क) पल्लव काल से हनलापुरम में। एक विशाल शिलाखंड पर बनी मूर्ति को ''अर्जुन का चिंतन'' की कहानी के रूप में पहचाना गया है। दूसरों के अनुसार यह ''गंगावतरण'' है।	1	
	या		
	(ख) उड़ीसा में कोणार्क का सूर्य मंदिर। ''सुरसुंदरी'' की खूबसूरत मूर्तियों को गढ़ा गया है।	1	1
	या		
	(ग) यह मूर्ति बेलुर में होयसला काल की है। मूर्ति की बारीक बनावटें बहुत कोमल और जटिल हैं।	1	
4.	बहुत सारे राजवंशों के पतन के बाद भारत के पश्चिमी भाग में राजस्थान और पंजाब की पहाड़ियों में कला की एक शैली का विकास हुआ। इसे राजपूत पेंटिंग के नाम से जाना जाता है। 16वीं	1½	3

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	अंक विभाजन	कुल अंक
	शती से 19 वीं शती के मध्य राजपूत पेंटिंग खूब समृद्ध हुई। यह शैली भारत के लोक और शास्त्रीय पेंटिंग का सम्मिश्रण है। बाद में इस पर मुगलकालीन लघुचित्रों का प्रभाव पड़ा। पंजाब की पहाड़ियों में गुलेर एक छोटा-सा राज्य था। यह पहाड़ी पेंटिंग का एक बहुत महत्वपूर्ण केंद्र था। यह शैली 1450 से 1780 शताब्दी के बीच खूब विकसित हुई। रोमांस और राधा-कृष्ण प्रेमाख्यान इसकी विशेषताएं हैं।	1½	
5.	''कोलम'' चावल के पेस्ट के साथ फर्श की सजावट है। त्यौहारों में प्रतीकात्मक रूपों जैसे घड़े, लैंप और नारियल के वृक्षों के साथ घरेलू महिला द्वारा इसकी चित्रकारी की जाती है।	1	1
6.	इसका अर्थ है फूलों की कशीदाकारी से सजावट। इसे पंजाब में एक विशेष प्रकार की कशीदाकारी से जाना जाता है।	½	1
	मौलिक मोटिफ ज्यामितीय होते हैं।	½	
7.	मोटिफ और डिजायन ग्रामीण भू-दृश्यों, धार्मिक क्रियायों और रोजमर्रा के जीवन से लिए जाते हैं।	1	1
8.	'पुनर्जागरण' शब्द का अर्थ है 'पुनर्जन्म'। यह काल पेंटिंग और मूर्तिकला सहित प्रत्येक क्षेत्र में किए जाने वाले नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है।	½	
	14वीं से 18वीं शताब्दी के दौरान **लिवनार्डो दा विंसी**, **राफेल**, **बोतिचेली, माइकल एंजेलो** जैसे कलाकारों ने प्रकाश, छाया परिदृश्य आदि के प्रयोग किए। **बोतिचेली** ने अपनी ही शैली में शरीर-संरचना के ड्राइंग में अपना कौशल दिखाया। उसने हल्के कृत्रिम प्रकाश के प्रयोग से अपनी कला में कोमल सामंजस्यपूर्ण सौंदर्य को उकेरा। दूसरी तरफ **विंसी** ने प्रकाश और छाया का नाटकीय और विषमताओं से भरे प्रभावपूर्ण प्रयोग किए। उदाहरण के लिए ''**मोनालिसा**'' में उसने अपनी अभिव्यक्ति में दार्शनिक पहलू पर बल दिया।	2½	3
	या		

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	अंक विभाजन	कुल अंक
	माइकल एंजेलो निश्चित रूप से पुनर्जागरण काल का महानतम मूर्तिकार था।	½	
	उसकी उत्कृष्ठ कलाकृतियों में **''पीयता''** एक है। यह माइकल एंजेलो की सबसे परिष्कृत कलाकृति है। मूर्ति में बेजोड़ वस्त्र-विन्यास का संचलन है और शरीर-संरचना की बारीकियां दृष्टिगत होती हैं।	2½	
9.	''प्रभाववाद'' एक कला आंदोलन था। 1874 में इसकी प्रदर्शनी आयोजित की गई। कलाकारों ने जीवन और रंगों से संबंधित शैली को अपनाया।	1	2
	इसने शास्त्रीय और आधुनिक पेंटिंग के बीच एक परिवर्तन लाया। इस पेंटिंग शैली के प्रवर्तक **मॉनेट**, **मानते**, **रिनोइर** और **डेगा** जैसे कलाकार थे।	1	
10.	**रिनोइर** एक फांसीसी प्रभाववादी कलाकार था। उसने मुख्य रूप से संवेदनशील और मनोहारी पेंटिंग की। उसने ग्रुप संयोजन, पोट्रेट और महिला मॉडल चित्रण को प्राथमिकता दी।	1	2
	उसने बैंगनी, सफेद और नीली संगति के रंगों का प्रयोग किया और **''मौलिनदे-ला गलेट''** जैसी पेंटिंग में प्रचलित कपड़ों में मॉडलिंग आकृतियों को रूप दिया।	1	
11.	**सेजेन** उत्तर प्रभाववादी पेंटर था जिसने भावाभिव्यक्ति पर बल दिया। उसने विभिन्न स्वरूपों को सरलता से दिखाया।	½	2
	अपनी पेंटिंग **''स्टिल लाइफ विद ओनियन्स''** में उसने साधारण रंगों का प्रयोग किया। उसके संयोजन में त्रि-आयामीय स्थान व्यवस्था के साथ ऊर्ध्व और क्षैतिज टुकड़ों को दिखाया गया है।	1½	
12.	**घनवाद** पेंटिंग और मूर्तिकला की एक विधा है जिसमें प्रकृति की प्रत्येक वस्तु को एक सिलेंडर और गोला के रूप में माना जाता है।	1	1
13.	**डाली** अतियथार्थवाद पेंटिंग के लिए प्रसिद्ध है। उसने अपनी	1	1

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	अंक विभाजन	कुल अंक
	पेंटिंग में विश्व को एक बेतुका, असंगत और असामान्य अनोखे तत्वों वाला दिखाया है।		
14.	(क) **कांडिंस्की** अमूर्त पेंटिंग का प्रवर्तक है। उसकी कला अमूर्त और ज्यामितीय का सम्मिश्रण है।	1	
	(ख) यह घनवादी पेंटिंग **पिकासो** द्वारा की गई है। यह विश्लेषणात्मक घनवाद का एक उत्तम उदाहरण है।		1
	(ग) अमूर्त कला गैर-सादृश्यमूलक कला का एक आम पारिभाषिक शब्द है जो समकालीन विश्व को एक यथार्थ के रूप में नकारता है।		
	(किसी एक पर लिखें)		
15.	ब्रिटिश राज के प्रारंभ में भारतीय कला का पतन दिखाई दिया। फ्रेस्को और लघु पेंटिंग का अस्तित्व समाप्त हो गया। भारतीय कलाकारों ने तेल और जल-रंगों के माध्यम से यूरोपियन शैली और तकनीक का अनुसरण किया।	1½	
	राजा रवि वर्मा ने पौराणिक ग्रंथों से भारतीय विषय-वस्तुओं की पेंटिंग की। **अबनींद्रनाथ** ने बंगाल स्कूल की अपनी एक व्यक्तिगत शैली को अपनाया। **रबींद्रनाथ** अमूर्त शैली और **अमृता शेरगिल** ने उत्तर प्रभाववाद शैली को अपनाया। **जेमिनी रॉय** ने लोक कला को एक कोमल रूप दिया।	1½	
	या		3
	गगनेंद्रनाथ समकालीन भारतीय कला में एक प्रमुख व्यक्ति थे। उन्होंने घनवाद की ओर झुकाव दिखाया, लेकिन अमूर्त ज्यामितीय ढांचे के साथ अपनी स्वयं की शैली का विकास किया।	1½	
	वह अपने समय के एक महान आलोचक थे। उनके समाज से जुड़े कार्टून बड़े प्रसिद्ध हुए। उनकी पेंटिंग **''आट्रियम''** घनवादी प्रभाव की एक विशिष्ट कलाकृति है।	1½	

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	अंक विभाजन	कुल अंक
16.	ग्राफिक मुद्रण के द्वारा बहुसंख्या में चित्र बनाने की एक विधा है।	½	2
	मुद्रण तकनीक के विभिन्न प्रकार है:– इचिंग, ड्राइपाइंट, एक्वेटिंट, इंटैग्लियो, लिथोग्राफी, ओलियोग्राफी, सिल्क-स्क्रीन इत्यादि।	1½	
17.	बिनोद बिहारी मुखर्जी ऐसे कलाकार थे जो अंधेपन के बावजूद कलाकारी करते रहे।	1	
	पूर्ण रूप से अंधे होने के बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल, शांतिनिकेतन में एक विशाल भित्ति-चित्र कला भवन का निर्माण किया।	1	2